सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com

RNI No: UPHIN/2023/86769

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

कानपुर, मंगलवार, 02 सितंबर, 2025, वर्षः 02, अंकः 231, पृष्ठः 8+4

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड अस्पताल पहुंचने से पहले ही दो मरीजों की मौत... » Pg 02

रूसी तेल खरीद में एक भी ब्राह्मण नहीं... » Pg 12

बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर बर्बर लाठीचार्ज, दो दर्जन घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» बिना मान्यता चल रहे रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में छात्रों पर निर्दयतापूर्ण लाठीचार्ज

» दाखिलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी छात्रों पर टूटा पुलिस का डंडा

» मुख्यमंत्री नाराज, सीओ हटाए गए, मंडलायुक्त को जांच सौंपी, शाम तक रिपोर्ट तलब

बाराबंकी। श्रीराम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय बाराबंकी में बिना मान्यता चल रहे एलएलबी एडमिशन के विरोध में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। लेकिन विवि प्रबंधन के इशारे पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छात्रों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज कर दिया। इस घटना में प्रांत सह मंत्री अभिषेक बाजपेई, जिला संयोजक अनुराग मिश्रा, अभय शंकर पांडे सहित दो दर्जन से अधिक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विश्वविद्यालय में बिना मान्यता के दाखिले चलने की शिकायतें लंबे समय से उठ रही थीं। एबीवीपी कार्यकर्ता कई बार जिला प्रशासन से लिखित और मौखिक तौर पर कार्रवाई की मांग कर चुके थे, लेकिन अधिकारियों ने आंखें मूंद लीं। छात्रों का आरोप है कि प्रबंधन की मनमानी और प्रशासन की लापरवाही की कीमत उन्हें जान जोखिम में डालकर चुकानी पड़ रही है। सोमवार को भी छात्र केवल शांति पूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने दबाव में आकर पुलिस बल से हमला करवा दिया।

विधानसभा पर प्रदर्शन, डीएम-एसपी हटाने की मांग : लाठीचार्ज की घटना के बाद एबीवीपी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा पहुंचे और बाराबंकी के डीएम व एसपी को हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जिला प्रशासन यूनिवर्सिटी प्रबंधन के साथ मिलकर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और जब आवाज उठाई जाती है तो पुलिसिया डंडे से दबा दिया जाता है। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत संज्ञान लेते हुए छात्रों पर हुई कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने जिम्मेदार सीओ को हटाने के आदेश दिए। साथ ही मंडलायुक्त अयोध्या को विश्वविद्यालय की डिग्री की वैधता की जांच कर शाम तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। लाठीचार्ज की घटना की जांच आईजी अयोध्या रेंज करेंगे।

एबीवीपी मामले पर रुख सख्त
कैबिनेट बैठक में सीएम का संज्ञान

उपमुख्यमंत्री बोले-दोषी नहीं बचेंगे, होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हो रही कैबिनेट बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बाराबंकी के श्रीराम स्वरूप यूनिवर्सिटी में एबीवीपी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज मामले पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि 'मामला सरकार के संज्ञान में है, जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।' सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने मंडलायुक्त अयोध्या को शाम तक विश्वविद्यालय की डिग्री की वैधता की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लाठीचार्ज की घटना की जांच आईजी अयोध्या रेंज करेंगे। सरकार ने साफ किया है कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बदाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

छात्रों का सवाल
प्रशासन किसके दबाव में?

घटना के बाद छात्रों का सवाल है कि जब यूनिवर्सिटी की मान्यता ही संदिग्ध है, तो फिर जिला प्रशासन अब तक खामोश क्यों रहा? आखिर किसके दबाव और संरक्षण में बिना मान्यता के दाखिले चल रहे हैं? और जब छात्र अपनी आवाज उठा रहे थे तो उन पर पुलिस का डंडा क्यों बरसाया गया?

कानपुर का जानलेवा जाम: अस्पताल पहुंचने से पहले ही दो मरीजों की मौत

» कौशांबी के बुजुर्ग और शुक्लागंज के युवक की जिंदगी सड़क पर थमी

» बरखा से वंदना तक मौतें चार साल में हालात जस के तस

» प्रशासन, नगर निगम और पुलिस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते रहे

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर का जाम अब सिर्फ परेशानी नहीं बल्कि मौत का दूसरा नाम बन चुका है। सोमवार को मेडिकल कॉलेज और एलएलआर अस्पताल के सामने एक बार फिर जिंदगी ट्रैफिक में फंसकर हार गई। कौशांबी निवासी एक बुजुर्ग और शुक्लागंज के एक युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर निकले, लेकिन रास्ते में लगने वाले जाम ने उनकी सांसें रोक दीं। दोनों मरीजों की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई। घटना का समय भी चौंकाने वाला था, क्योंकि दोनों मौतें महज 20 मिनट के अंतराल पर हुईं। लोग बेबस होकर देखते रहे, एंबुलेंस और निजी गाड़ियां जाम में फंसी रहीं, लेकिन किसी जिम्मेदार ने रास्ता साफ कराने की कोशिश तक नहीं की।

इससे पहले भी ऐसी घटनाएं कई बार हो चुकी हैं, लेकिन शहर की स्थिति सुधरने के बजाय और खराब होती जा रही है। प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस रोज दावे तो करती है कि जाम खत्म होगा, लेकिन सच्चाई यह है कि आम जनता की जान लगातार दांव पर लग रही है।

मौत का जाल बन चुकी सड़कें

जाम से मौत का सिलसिला नया नहीं है। पिछले महीने दबौली की बरखा गुप्ता की जान भी इसी अव्यवस्था ने ले ली थी। हार्ट अटैक आने के बाद परिजन उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज के पास लगे जाम में 15 मिनट तक फंसी रही। हॉर्न बजते रहे, परिजन चिल्लाते रहे, लेकिन रास्ता नहीं खुला। आखिरकार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही बरखा की सांसें थम गईं।

इसी तरह साल 2021 में महिला उद्यमी वंदना मिश्रा की मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया था। कोरोना से उबरने के बाद उनकी हालत अचानक बिगड़ी और परिजन उन्हें रीजेंसी अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन गोविंदपुरी पुल पर राष्ट्रपति की ट्रेन गुजरने के नाम पर ट्रैफिक पूरी तरह रोक दिया गया। वंदना वक्त पर इलाज नहीं पा सकीं और उनकी मौत हो गई। दोनों घटनाओं में सालों का अंतर है, मगर हालात जस के तस हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हर बार नाम और चेहरे बदल जाते हैं, लेकिन मौत की कहानी वही रहती है कानपुर की सड़कें और उस पर थमी जिंदगी।

जिम्मेदारों की खामोशी और जनता का दर्द

शहर में 21 किलोमीटर लंबे जीटी रोड समेत फूलबाग, परेड, गुमटी, फजलगंज, नौबस्ता, बर्रा, टाटमिल, जरीब चौकी और कल्याणपुर जैसे चौराहों पर रोज यही हाल है। सड़कें जगह-जगह टूटी पड़ी हैं, गड्ढों में पानी भरा रहता है, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण ने पैदल चलना तक मुश्किल कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस की तैनाती के बावजूद जाम कम होने के बजाय बढ़ रहा है। हालत यह है कि सुबह ऑफिस जाने वाले कर्मचारी, स्कूल जाते बच्चे, मरीज और आम लोग हर दिन इस जानलेवा जाम में फंसे रहते हैं।

यातायात विभाग खराब सड़कों का ठीकरा नगर निगम पर फोड़ देता है, नगर निगम हर बार संसाधनों की कमी का बहाना बना देता है और केडीए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। नतीजा यह है कि जनता को रोज जानलेवा जाम झेलना पड़ रहा है। बरखा और वंदना जैसी घटनाएं बताती हैं कि यह समस्या अब केवल असुविधा नहीं रही, बल्कि सीधे-सीधे लोगों की जान ले रही है। सवाल यह है कि कब तक मौतें होती रहेंगी और कब तक जिम्मेदार सिर्फ बयानबाजी करते रहेंगे?

निष्पक्ष मतदान में इंदर सिंह उर्फ गुरु बने नए कोटेदार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ चुनाव

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। सरसौल ब्लॉक के महोली गांव में रविवार को राशन की दुकान के लिए कोटेदार चयन की प्रक्रिया पंचायत भवन में संपन्न हुई। इंदर सिंह उर्फ गुरु और सोनम सिंह के बीच हुए मुकाबले में ग्रामीणों ने पर्ची द्वारा मतदान किया। इंदर सिंह को 458, जबकि सोनम सिंह को 275 मत मिले। इस तरह इंदर सिंह 183 मतों से विजयी घोषित हुए। चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण रहा।

इसकी देखरेख ग्राम प्रधान, एडीओ (सी) रवि वर्मा और ग्राम सचिव गिरीश प्रजापति ने की। सुरक्षा की दृष्टि से पुरवामीर चौकी प्रभारी विकास त्यागी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। ग्रामीणों ने खुशी जताई कि अब गांव में ही राशन की दुकान बहाल हो गई है। पहले दुकान निरस्त कर तिवारीपुर गांव में अटैच कर दी गई थी, जो तीन-चार किमी दूर होने से ग्रामीणों को काफी असुविधा होती थी।

बुद्धा पार्क के स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं: मेयर प्रमिला पांडेय

» मेयर ने कहा कि गलतफहमी की वजह से बुद्धा पार्क बदलने की अफवाह फैली

» नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि कानपुर के 700 पार्कों में विकास की तैयारी, बुद्धा पार्क सुरक्षित रहेगा

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। इंदिरा नगर स्थित बुद्धा पार्क को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर मेयर प्रमिला पांडेय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि बुद्धा पार्क में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। शिवालय पार्क के लिए अलग भूमि का चयन होगा।

मेयर ने कहा— बुद्धा पार्क शहर की शान है। इसमें किसी तरह की छेड़छाड़ की गुंजाइश नहीं है। मैंने अधिकारियों को निर्देशित कर दिया है कि इस पार्क के स्वरूप को बरकरार रखा जाए। नागरिकों को गुमराह करने वाली अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने भी स्पष्ट किया कि बुद्धा पार्क कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की देखरेख में है। 28 अगस्त को बुद्धा पार्क से सटे खाली भूखंड का सर्वे किया गया था, लेकिन इसका बुद्धा पार्क से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा— ऊशहर के करीब 700 पार्क हैं। इन पार्कों में से प्रमुख पार्कों को आधुनिक स्वरूप देने की योजना बनाई जा रही है। उसी कड़ी में सर्वे किया जा रहा है। बुद्धा पार्क में न तो कोई परिवर्तन हुआ है और न ही प्रस्तावित है ।शहर में पार्कों का आधुनिकीकरण

नगर निगम और केडीए की योजना है कि कानपुर के बड़े पार्कों को आधुनिक ढंग से विकसित किया जाए। इसमें बच्चों के लिए झूले, ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक, सोलर लाइट, हरियाली और स्मार्ट सुविधाएं शामिल होंगी। इसका उद्देश्य है कि शहरवासियों को बेहतर पर्यावरण और स्वास्थ्य के अनुकूल वातावरण मिल सके।

स्वराज इंडिया का मानना है कि हरित क्षेत्रों का संरक्षण और विकास शहर की भावी पीढ़ियों के लिए अनिवार्य है। बुद्धा पार्क जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पार्कों को संरक्षित रखते हुए नए पार्कों का निर्माण करना ही संतुलित विकास की दिशा है। इस कदम से न केवल पर्यावरण को संजीवनी मिलेगी बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

कुल मिलाकर, अफवाहों से परे संदेश साफ है—कानपुर में 700 से अधिक पार्कों का कायाकल्प होगा और बुद्धा पार्क अपनी मौजूदा पहचान और स्वरूप में सुरक्षित रहेगा।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में लहराएंगे 1 लाख छोटे हरे झंडे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर परेड ग्राउंड से निकलने वाले एशिया के सबसे जुलूस-ए-मोहम्मदी में इसबार बड़े झंडों के बजाए छोटे छोटे झंडे लहलहाते दिखाई देंगे। इसी प्रकार शहर के दर्जनभर से अधिक क्षेत्रों से निकलने वाले जुलूस में भी छोटे झंडे ही दिखाई देंगे ।कानपुर समेत पूरे देश में 4 सितंबर को रात में जश्ने चिरागां होगा जबकि 5 सितंबर को परेड ग्राउंड से शहर जमीअत उलमा की जानिब से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकलेगा। इसी प्रकार जाजमऊ, रेल बाजार, फेथफुलगंज, सुजातगंज, रोशननगर, मछरिया, बाबूपुरवा, बेगमपुरवा समेत विभिन्न क्षेत्रों में जुलूस निकलेगा और ईद मीलादुन्नबी मनाया जाएगा। कई बार हाईटेंशन में बड़े झंडों का सिरा टकरा गया जिससे करंट लगने से कई लोग झुलस गए और कई की मौत हो चुकी। ऐसे में झंडे के डंडे का साइज कम करने की गुजारिश उलेमा ने की। इस बार एक लाख से अधिक छोटे हरे झंडे बाजारों में बिकने लगे हैं। सबसे ज्यादा बेकनगंज, डॉ. बेरी चौराहा, बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, मछरिया, कंघी मोहाल समेत कई क्षेत्रों में झंडे बेचने वाले दुकानदार सक्रिए हो गये हैं। इसी प्रकार बड़े झंडों को लोगों ने अपने घरों में लगाने का फैसला लिया है जो धीरे धीरे लगने भी लगे हैं।

नसिरापुर गांव में रातें बनीं पहरे का किस्सा, ग्रामीणों बोले इससे पहले कभी नहीं रहे ऐसे हालात

भैया हो... बहुरिया-बच्चा सब डर जात हैं!

बिल्हौर से
स्वराज इंडिया संवाददाता
रिज़वान कुरैशी

ग्रामीणों के साथ ग्राम प्रधान रामेन्द्र कटियार गश्त करते हुए।

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के नसिरापुर गांव की रातें अब चैन और सन्नाटे में नहीं कट रही हैं। पिछले एक सप्ताह से गांव में चोरी और अफवाहों का डर ऐसा फैल गया है कि ग्रामीण अब रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। गांव का हर कोना अब डर और चौकसी की आवाज़ों से गूंज रहा है। स्वराज इंडिया की टीम भी आधी रात को गांव पहुंची और ग्रामीणों से मिली। टीम ने देखा कि कैसे युवा, बुजुर्ग और महिलाएं मिलकर टोलियां बनाकर गश्त कर रहे हैं। घर-घर की चौकसी, गलियों की निगरानी और हर संभावित खतरे पर तुरंत सतर्क रहने का माहौल गांव में बना हुआ है। गांव की श्याम देवी बताती हैं, गांव में बदमाश बंदूक लेकर आते हैं। कटियार के घर में भी घुस चुके हैं। आहट होत, सब भाग जाते हैं। वहीं एक बुजुर्ग महिला कहती हैं,बहुरिया और बच्चे सब डर जात हैं। रात में नींद तो छोड़ो, हर पल चौकसी करनी पड़ती है। राम सेवक कहते हैं, सब लोग इकट्ठा होकर बैठते हैं। जब कहीं से आवाज आती है, हम सब इकट्ठा होकर जाते हैं। बदमाश जंगल की तरफ से आते हैं। गांव के चौकीदार सोबरन कहते हैं आंखें थक गई हैं, पर अब पहरा देना ही जरूरी है। नसिरापुर की गलियां अब चौकसी का अड्डा बन चुकी हैं। कुछ लोग हाथ में लाठी-डंडा लिए, कुछ कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर टोलियां बनाकर गश्त कर रहे हैं। छोटे-छोटे रास्तों और नुक्कड़ों पर हर थोड़ी सी आहट पर ग्राम प्रधान की सीटी बज उठती है और पूरा गांव चौकन्ना हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि अब नींद छोड़कर पहरा देना ही सुरक्षा का एकमात्र तरीका बन गया है। कई बुजुर्ग और महिलाएं कहती हैं कि आँखें थक गई हैं, पर डर और भय उन्हें हर पल चौकन्ना बनाए रखता है। जैसे ही कोई अजनबी या अज्ञात आवाज़ सुनाई देती है, तुरंत टोलियों में लोग इकट्ठा हो जाते हैं और जायजा लेने के बाद ही वापस घर लौटते हैं।

श्यामा देवी, ग्रामीण

चौकीदार सोबरन

दिनेश कुमार, ग्रामीण

हम सप्ताह भर से रोज कर रहे गश्त

एक सप्ताह से रोज हम शाम 7 बजे से रात चार बजे तक पूरे गांव में गश्त मारते हैं। आहट होते ही सबको जगाते हैं। जिधर से आवाज़ आती है, 100-200 आदमी टूट पड़ते हैं और बदमाश भाग जाते हैं। पुलिस रात को एक बजे के बाद रोज गश्त करने आती है।

रामेन्द्र कटियार, ग्राम प्रधान,नसिरापुर

'चोर हाजिरी देकर चले जाते हैं'

अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने कहा कि चोर बस गांव में हाजिरी देकर और शक्ल दिखाकर चले जाते हैं। चोरों के आने की खबरें अफ्वाह हैं। पुलिस रोज गस्त कर रही है।उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

एम.एल.के.डी. पब्लिक स्कूल अरौल में धूमधाम से मनाई गणेश चतुर्थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। एम.एल.के.डी. पब्लिक स्कूल अरौल में सोमवार को गणेश चतुर्थी उत्सव बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल के प्रांगण में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की मूर्तियां और कलाकृतियां बनाकर अपनी कला और श्रद्धा का जीवंत प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य एन.बी. सिंह राठौर ने बच्चों को गणेश चतुर्थी के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भगवान गणपति विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं, जिनकी पूजा से जीवन में बुद्धि, विद्या और समृद्धि की प्राप्ति होती है। शालिनी, अंश, आयु, आर्यन, मानवी सहित कई विद्यार्थियों ने प्रतिमा निर्माण, चित्रकला और भजन-गायन में सक्रिय भागीदारी दिखाई। बच्चों की इस सक्रियता ने कार्यक्रम को और भी जीवंत और आनंदमय बना दिया।

स्कूल के बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर गणेश जी का चित्र उकेर दिया।

थाने में हंगामा | **ग्रामीणों से 15 हजार वेतन का सपना दिखाकर ऐंठे रुपये**

घर बैठे नौकरी का लालच, लाखों की ठगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चौबेपुर,बिल्हौर(कानपुर)। घर बैठे कमाई का झांसा देकर पचौर गांव के दर्जनभर से अधिक ग्रामीणों से लाखों की ठगी का मामला उजागर हुआ है। ठगों ने ग्रामीणों को पेंसिल पैकिंग का काम दिलाकर हर महीने 15 हजार रुपये वेतन देने का भरोसा दिलाया। शुरुआत में पंजीकरण शुल्क और सिक्योरिटी मनी के नाम पर मोटी रकम वसूली गई। छह महीने तक काम कराने के बाद भी एक रुपये वेतन नहीं दिया गया। जब ठगी का सच सामने आया, तो सोमवार को पीड़ित ग्रामीण थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सबसे पहले उनसे 1500 रुपये पंजीकरण शुल्क के रूप में जमा कराए गए। इसके बाद सिक्योरिटी मनी के नाम पर दो-दो किस्तों में 30-30 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए गए। महीनों तक इंतजार करते रहे लेकिन वेतन के नाम पर केवल टालमटोल होती रही। जब पीड़ितों को अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है, तब उन्होंने पुलिस की शरण ली।गांव की प्राची मिश्रा, मयंक पांडेय, गौरव चौरसिया समेत कई लोगों ने एकजुट होकर तहरीर दी। थाने प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि गांव के ही एक युवक और युवती पर ठगी का आरोप है। इनमें से एक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सम्पादकीय

बाढ़ प्रभावित राज्यों को शीघ्र राहत दे केंद्र

दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है।इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

पारिस्थितिकी के अनुकूल बनें विकास योजनाएं

पुष्कर जैन

धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। बीते माह यहां बादल फटने से अचानक आई बाढ़ ने जान-माल की बड़ी तबाही मचाई। यमुनोत्री मार्ग पर भी बादल फटा। इस क्षेत्र में दो दशक से भूस्खलन व बाढ़ें बार-बार तबाही लायीं। यहां सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगीकरण कार्यों में पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनाना जरूरी है।

बीते पांच अगस्त को हरसिल और गंगोत्री के बीच खीरगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई तेज बाढ़ और भारी मलबे ने धराली में तबाही मचाई। इस आपदा ने दर्जनों मकान, होटल और दुकानें नष्ट कर दीं, कई लोग मृत और अनगिनत लोग लापता हो गए।

हरसिल में भी बाढ़ के कारण ग्यारह जवान लापता हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी द्वारा बचाव कार्य जारी हैं। शीतकालीन पर्यटन से जुड़े इस क्षेत्र का मार्ग बाधित हो गया है। पारंपरिक नदी मार्गों में पत्थर, मिट्टी और मलबे के अवरोध से बाढ़ का प्रवाह दिशा बदल गया, जिससे त्रासदी और भी गंभीर हुई।उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच स्थित धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। हाल ही में यमुनोत्री मार्ग पर स्याना चट्टी में बादल फटने से गंभीर हादसा भी हुआ। ऐसे नाजुक और सामरिक क्षेत्रों में खनन, सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगिकीकरण के कार्यों में सरकारों और जनता को आत्म-नियंत्रण बरतना चाहिए। पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनानी जरूरी हैं। उत्तरकाशी जिले में लगातार विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता रहा है जैसे सिलक्यारा सुरंग दुर्घटना व भयावह उत्तरकाशी भूकंप। मनेरी भाली परियोजना के पास झीलें बनती रहीं और भटवाड़ी के धंसने की घटनाएं भी नई नहीं। भटवाड़ी ब्लॉक में ही धराली आता है।गोमुख से लेकर उत्तरकाशी मुख्यालय और चिन्याली सौड़ तक का क्षेत्र बीते दो दशकों से लगातार आपदाओं से ग्रस्त है। यहां गंभीर भूस्खलन, बाढ़ें और तबाही बार-बार होती रही हैं। खासकर उत्तरकाशी में वरुणावर्त पहाड़ अपने भूस्खलनों से 2003 से लोगों को भयभीत कर रहा है। क्षेत्र के पहाड़ 1990 के तीव्र भूकंप से पहले से ही कमजोर हैं, जबकि 4 -4.5 तीव्रता के भूकंप नियमित आते रहते हैं। इस दौरान उत्तरकाशी और आसपास के पुल टूटते रहे हैं, जिससे कई गांव कई दिन तक अलग-थलग पड़ जाते हैं।वर्ष 2010 से इस पूरे क्षेत्र में लगातार बादल निस्संदेह, यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक है। 2017 में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में पंद्रह गांवों की प्रतिनिधि महिलाएं इसी इकोसेंसिटिव क्षेत्र में काटे जाने के लिए चिन्हित पेड़ बचाने के लिए संकल्पबद्ध हुई थीं। इस क्षेत्र में 1990 में हुए भयावह विनाश के बाद कहा गया था कि अब सारे मकान, भवन आदि भूकंप-रोधी बनाए जाएंगे। सुरंगें नहीं बनाई जाएंगी। किन्तु आज भी आप सरकारी स्तर पर भूकंप-रोधी निर्माण या नदी तटों के समीप बसावटों को रोकने में गंभीरता शायद ही पाएंगे।महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना उत्तरकाशी इकोसेंसिटिव क्षेत्र से ही बनती है। प्रधानमंत्री ने साल 2016 में इसकी आधारशिला रखी।

चीनी चक्रव्यूह पर अमेरिका की पैनी निगाहें

सोशल मीडिया कितना कारगार

शुभम चौधरी

एससीओ बैठक में शी और मोदी के बीच मेल मिलाप को देखकर हम कह सकते हैं, कि हिन्द प्रशांत में अब चीन-भारत के बीच टकराव की स्थिति नहीं रहेगी। ट्रंप ने टैरिफ़ वार में भारत जैसे मित्र को हिन्द-प्रशांत में...एससीओ बैठक में शी और मोदी के बीच मेल मिलाप को देखकर हम कह सकते हैं, कि हिन्द प्रशांत में अब चीन-भारत के बीच टकराव की स्थिति नहीं रहेगी। ट्रंप ने टैरिफ़ वार में भारत जैसे मित्र को हिन्द-प्रशांत में खोया है, यह अमेरिकी रणनीतिकार भी महसूस कर रहे हैं।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था चाहे भाड़ में जाए, ट्रंप को अपनी कमाई करनी है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 'क्रिप्टो प्रेसिडेंट' बनने का वादा किया है। इसी सिलसिले में उनके सुपुत्र एरिक ट्रम्प, सोमवार को टोक्यो में जापानी बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी मेटाप्लेनेट के शेयरधारकों की बैठक में शामिल हो रहे हैं। वर्ल्ड लिबर्टी फ़ाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) क्रिप्टो करेंसी को देखता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया, कि अगस्त, 2025 में 'डब्ल्यूएलएफ' टोकन का कुल मूल्य 6 बिलियन डॉलर था, और ट्रम्प स्वयं उनमें से दो-तिहाई के मालिक थे। एक दूसरी तस्वीर चीन के बंदरगाह शहर थिएनचिन की थी, जहां शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (एससीओ) की बैठक सोमवार को समाप्त हुई है। इस बैठक में डॉलर की वैकल्पिक मौद्रिक अर्थव्यवस्था पर एकबार फिर से ज़ोर दिया गया है। इस बार की एससीओ बैठक का केंद्रीय मुद्दा था, ट्रंप के टैरिफ वॉर का मुक़ाबला करना। बाद के दिनों में इसका नामांतरण शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (एससीओ) के रूप में हुआ, जिसमें बेलारूस, भारत, ईरान और पाकिस्तान के जुड़ने के साथ, इसके 10 सदस्य देश हो गए। 'एससीओ' को पश्चिमी देशों के एशियाई प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है।इस बार की बैठक में बहुपक्षीय विकास पर ज़ोर दिया गया।

लेकिन ध्यान से देखा जाये, तो चीन और रूस यह सारी कवायद अपनी अर्थव्यवस्था की मज़बूती के लिए कर रहे हैं। पिछले साल शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्यों के साथ चीन का व्यापार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, कुल मिलाकर लगभग 512.4 अरब अमेरिकी डॉलर, जो साल-दर-साल 2.7 प्रतिशत की वृद्धि है। यह आंकड़ा 2018 में क़रीदाओ में हुए 'एससीओ' शिखर सम्मेलन के दौरान दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल चीन ने अन्य सदस्य देशों से लगभग 90 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और कोयला आयात किया था।विशेषज्ञों का कहना है कि इस बैठक की बिना पर एससीओ सदस्य आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मज़बूत करने की कोशिश कर सकते हैं। संगठन द्वारा अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी नेतृत्व वाले वित्तीय संस्थानों से अलग भुगतान प्रणालियों और मुद्राओं के व्यापक उपयोग पर ज़ोर दिए जाने की संभावना है। किन्तु, सवाल है, किस मुद्रा का उपयोग? केवल चीनी युआन और रूसी रूबल को भुगतान के लिए इस्तेमाल में लिया जाये, या भारतीय मुद्रा की भी कोई हैसियत होगी?लेकिन सवाल है, क्या सभी सदस्यों को सामान अवसर मिलेंगे? चीन का फोकस, 'बेल्ट-रोड इनिशिएटिव' को और आगे बढ़ाना है। पुतिन, यूक्रेन में शांति के सवाल पर एससीओ सदस्य देशों से अपनी रणनीति साझा करेंगे,इतना उन्होंने आश्वासन दिया। ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का समवेत मुक़ाबला कैसे करना है, अभी उस पर कोई ठोस कार्यक्रम बनता नहीं दिख रहा है। ट्रंप ने टैरिफ़ वार में भारत जैसे मित्र को हिन्द-प्रशांत में खोया है, यह अमेरिकी रणनीतिकार भी महसूस कर रहे हैं। अमेरिका-ताइवान के संयुक्त हथियार उत्पादन से हिन्द-प्रशांत एक बार फिर से उथल-पुथल वाली स्थिति में होगा। लेकिन, भारत का कन्धा इस्तेमाल के बग़ैर इस इलाक़े में क्या परिदृश्य उपस्थित होता है, वह दिलचस्पी का विषय होगा।

नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर की कार्यकारिणी समिति की बैठक 1 सितम्बर 2025 को महापौर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई और उन्हें सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि इन प्रस्तावों के लागू होने के बाद आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और शहर में विकास की रफ्तार और तेज होगी। परशुराम वाटिका के विवादित गेट को मेयर बैठक में स्वीकृति दी।

बैठक में पारित प्रमुख प्रस्ताव

1. नानाराव पार्क में पंडाल बुकिंग पर राहत

श्री श्याम महोत्सव पंडाल के संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अब तीन दिन की बुकिंग कराने वालों को एक दिन तैयारी और एक दिन सामग्री हटाने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। साथ ही पार्किंग सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध होगी।

2. विभिन्न वार्डों में विकास कार्य

जोन-5 के अंतर्गत वार्ड संख्या 53, 02, 67, 20, 72 और 50 में लगभग 20 लाख रुपये की लागत से कार्य कराए जाएंगे।

3. गृहकर की छूट अवधि बढ़ी

गृह कर की छूट की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 30 सितम्बर 2025 कर दिया गया है।

4. इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण

वार्ड 25 अंबेडकर नगर में गोपाला टॉवर से प्रतिष्ठा गेस्ट हाउस तक इंटरलॉकिंग कार्य कराने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस पर 17,95,164 रुपये खर्च होंगे।

5. नामकरण प्रस्ताव

वार्ड 21 खाड़ेपुर के एक मुहल्ले का नामकरण बूथ अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राम गोपाल शुक्ल के नाम पर किया गया।

इंद्रानगर-मकड़ीखेड़ा में मार्ग का नाम स्व. योगेश दीक्षित मार्ग रखा गया।

स्व. श्याम बिहारी मिश्रा मार्ग पर बने चौक का नाम विश्वकर्मा चौक रखा गया।

एक्सप्रेस रोड जाने वाले मार्ग का नाम पूर्व मुख्यमंत्री राम

प्रकाश गुप्त मार्ग रखा गया।

दादानगर समानान्तर सेतु का नाम विश्वकर्मा श्रम सेतु रखा गया।

चकेरी हवाई अड्डा का नाम बदलकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद हवाई अड्डा करने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसे अंतिम स्वीकृति हेतु राज्य और केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

6. सुविधाओं का विस्तार

परशुराम वाटिका स्थित पालिका स्टेडियम की बाउंड्रीवाल में बने गेट को मंजूरी दी गई।

चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर को नगर निगम को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। निगम को यहां वर्ष में 30 दिन निःशुल्क कार्यक्रम करने की अनुमति दी जाएगी।

नगर निगम द्वारा गोद लिए गए पार्कों, रैन बसेरा और बारातशालाओं को निगम के अधिकार क्षेत्र में लेने का प्रस्ताव भी पास हुआ।

75 किलो गांजे के साथ दंपति गिरफ्तार

» तस्करी गिरोह के सरगना दंपती समेत 5 गिरफ्तार, बोलेरो से ओडिशा से लाया गया था माल

» सचेंडी में होना थी गांजे की डिलीवरी, महिला तस्कर गुड्डी समेत कई नाम आए सामने

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चकेरी पुलिस ने स्वॉट और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर गांजा तस्करों के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सरगना दंपती समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर 75 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की डिलीवरी सचेंडी क्षेत्र में की जानी थी।एडीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य सरगना सोहेल उर्फ सुहान और उसकी पत्नी मल्लिका सुल्ताना अहमद हैं। यह दंपती ओडिशा से गांजा लाकर बोलेरो गाड़ी के डिग्गी में पैकेट बनाकर छिपाते और फिर सचेंडी की महिला तस्कर गुड्डी को सप्लाई करते थे।

पुलिस ने आरोपितों को रामादेवी चौराहे के पास फतेहपुर-इटावा एलीवेटेड हाईवे से दबोचा। इनके कब्जे से गांजा के साथ-साथ 35 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए। पकड़े गए आरोपितों में सचेंडी के श्याम सिंह, कंजड़पुरवा के देवीप्रसाद भी शामिल हैं।

पूछताछ में महिला तस्कर गुड्डी ने बताया कि वह गांजे की पुड़िया बनाकर बेचती थी और उसके ग्राहक आसपास के इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्र थे। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

किसान राजनीति में हलचल- कन्नौज जिला अध्यक्ष सोनू ठाकुर ने बदला संगठन

» सैकड़ों कार्यकर्ताओं संग बड़े पैमाने पर शामिल हुए

» राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दी जिम्मेदारी, जताया भरोसा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कन्नौज। जिले की किसान राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला जब जय जवान जय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सोनू ठाकुर ने अपने पुराने संगठन को अलविदा कह दिया। उन्होंने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति का दामन थाम लिया। उनके साथ जिला मीडिया प्रभारी रोहित शर्मा (शाहजहांपुर), मीडिया मंडल प्रभारी संदीप शर्मा उर्फ बाबा हनुमान दास सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी शामिल हुए।इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने सोनू ठाकुर को कन्नौज जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने भरोसा जताया कि सोनू ठाकुर संगठन को न केवल कन्नौज बल्कि प्रदेश स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। सोनू ठाकुर ने भी मंच से विश्वास दिलाया कि किसान हितों के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे और संगठन को मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

डीजल चोरी का सिंडिकेट! बोलेरो-ईको गाड़ियाँ बनीं सप्लाई की चैन

» गजनेर से बिठूर तक डीजल रैकेट: बोलेरो-ईको से जारी काली कमाई

डीजल माफिया का खुला खेल: आलिशान मकान, गोदाम और विभागीय संरक्षण के सबूत

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र के गोगोमऊ इलाके से चोरी कर लाया गया डीजल अब बिठूर थाना क्षेत्र के टिकरा पुलिस चौकी इलाके से धड़ल्ले से सप्लाई किया जा रहा है। इस पूरे नेटवर्क का संचालन महेंद्र पाल और उसका बेटा अमन पाल कर रहे हैं, जो लंबे समय से इस धंधे में सक्रिय हैं। तस्करी की सप्लाई रोज सुबह करीब 5 बजे बोलेरो गाड़ी में कैनों के जरिए होती है। पहले आरोपी इटरा गांव के अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल कर पुलिस और आम लोगों की नजरों से बचते थे,

डीजल तस्कर अमन पाल

डीजल तस्कर अंशू

लेकिन स्वराज इंडिया की टीम ने कुछ दिन पहले ही बीच रास्ते पर उनकी गाड़ी का वीडियो बनाकर खुलासा किया था। खुलासे के बाद से आरोपी और भी सतर्क हो गए हैं और अब उन्होंने अपने रूट बदलकर कल्याणपुर की दिशा पकड़नी शुरू कर दी है। इससे साफ है कि पूरा नेटवर्क अपने कारोबार को बचाने के लिए लगातार रणनीति बदल रहा है और इलाके में सक्रिय पुलिस चौकियों पर सवाल खड़े कर रहा है।

बोलेरो-ईको कार से जारी धंधा

शुरुआत में बोलेरो गाड़ी पर पुलिस का लोगो लगाकर आरोपी खुलेआम घूमते थे ताकि किसी को शक न हो और न ही कोई चेकिंग के दौरान उन्हें रोके। लोगो हटाए जाने के बावजूद बोलेरो के जरिए सप्लाई का खेल आज भी उसी तेजी से जारी है। तस्करी में शामिल महेंद्र पाल और उसका बेटा अमन पाल अब एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने सप्लाई के लिए दूसरी गाड़ी मारुति ईको कार को भी शामिल कर लिया है। इससे साफ है कि आरोपी पुलिस और आमजन को गुमराह करने के लिए लगातार अपना रास्ता बदल रहे हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि बोलेरो और ईको कार में भरे कैन सुबह-सुबह और दिन में भी इलाके से गुजरते हैं, लेकिन कभी किसी स्तर पर रोक-टोक नहीं होती। गाड़ियों का बार-बार चौकियों से गुजरना और पुलिस का पूरी तरह से मौन रहना यह बताता है कि कहीं न कहीं इस काले कारोबार को विभागीय संरक्षण प्राप्त है। अगर यह आरोप सच हैं, तो यह पूरा मामला सिर्फ डीजल तस्करी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और सिस्टम की नाकामी का भी बड़ा उदाहरण बन जाता है।

काले धन से आलीशान मकान और गोदाम

टिकरा निवासी महेंद्र पाल के पास आज जो आलीशान मकान और गोदाम मौजूद है, वह अचानक नहीं खड़ा हो गया। सूत्रों के अनुसार, बीते लगभग तीन दशकों से महेंद्र पाल चोरी और मिलावट के इस धंधे में सक्रिय है और इसी काले कारोबार से उसने करोड़ों रुपये की संपत्ति खड़ी की है। महेंद्र पाल ने भारतीय स्टेट बैंक टिकरा शाखा के पास एक बड़ा गोदाम बना रखा है। यही गोदाम इस तस्करी नेटवर्क की रीढ़ है, जहां चोरी कर लाए गए डीजल और पेट्रोल को इकट्ठा कर रखा जाता है और फिर उसमें मिलावट कर बिठूर, सफीपुर, परियर और आसपास के ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में धड़ल्ले से सप्लाई की जाती है।

अब हट चुका है पुलिस का लोगो मारुति ईको कार भी हुई शामिल

स्थानीय लोग बताते हैं कि इस गोदाम से हर रोज गाड़ियों की आवाजाही होती है और बोलेरो-ईको कार कैनों से लदी हुई बिना किसी रोक-टोक के निकलती हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस चौकियों से होकर गुजरने के बावजूद इन गाड़ियों पर कभी सवाल नहीं उठता, जिससे यह अंदेशा और मजबूत होता है कि इस नेटवर्क को ऊंचे स्तर से संरक्षण प्राप्त है।स्वराज इंडिया की टीम लगातार आरोपियों की गतिविधियों और रूट पर नजर बनाए हुए है। हमारे पास आरोपियों के कई पुख्ता इनपुट और विजुअल्स मौजूद हैं। बहुत जल्द इस पूरे रैकेट का बड़ा खुलासा किया जाएगा, जिससे यह साबित होगा कि कैसे चोरी का डीजल पूरे कानपुर और आसपास के जिलों में सप्लाई किया जा रहा है।

रेका के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह को मिला उत्तर मध्य रेलवे का अतिरिक्त प्रभार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/नई दिल्ली- भारतीय रेल के वरिष्ठ अधिकारी नरेश पाल सिंह ने आज 01 सितंबर 2025 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार संभाल लिया। यह पद निवर्तमान महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी के सेवानिवृत्त होने के कारण खाली हुआ था। नरेश पाल सिंह वर्तमान में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के महाप्रबंधक भी हैं और उन्हें इसके अतिरिक्त प्रभार भी मिला है आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक नरेश पाल सिंह भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के 1988 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने रेलवे में अपने लंबे करियर के दौरान मध्य रेलवे के विभिन्न मंडलों में लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन और सामान्य सेवाओं सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। नरेश पाल सिंह ने मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर/रोलिंग स्टॉक, अपर मंडल रेल प्रबंधक/संचालन, मुंबई मंडल तथा मुंबई रेल विकास निगम में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।बनारस रेल इंजन कारखाना में नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में लोकोमोटिव उत्पादन के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए गए हैं। उनके मार्गदर्शन में बरेका ने एयरोडायनेमिक ड्ढक्क-7 लोको का निर्माण कर तकनीकी उत्कृष्टता का नया उदाहरण प्रस्तुत किया और रेल ट्रैक पर सोलर पैनल लगाकर हरित ऊर्जा की दिशा में अनूठा कदम उठाया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बरेका ने 477 लोकोमोटिव का निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में मध्य रेलवे में कई अभिनव परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इनमें प्रमुख है 2×25द्मङ्क ट्रैक्शन सिस्टम में ओवरहेड इक्विपमेंट (ह्र॥श्व) मास्ट पर ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (ह्रक्कत्रङ्ख) लगाना, जिससे रेल संचार व्यवस्था अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और आर्थिक रूप से लाभकारी बन गई। इसके अलावा, ट्रैक्शन पावर के लिए 10 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट और 20×4 मेगावाट की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी स्थापित किए गए।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नरेश पाल सिंह का तकनीकी और प्रबंधकीय दृष्टिकोण भारतीय रेल के लिए एक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में अहम साबित होगा।

राजस्व धनराशि गबन में नायब नाजिर निलंबित

» 17,300 रुपये वसूले, रजिस्टर में प्रविष्टि नहीं

» डिप्टी कलेक्टर शिखा संखवार बनीं जांच अधिकारी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने तहसील डेरापुर के सवां.वा.न. सम्बद्ध नायब नाजिर अनुपम श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।आरोप है कि श्रीवास्तव ने विभिन्न रसीदों के माध्यम से कुल 17,300 रुपये की राजस्व धनराशि वसूली, लेकिन उसे राजकीय अभिलेखों में दर्ज नहीं किया। यही नहीं, 1 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 तक की प्रविष्टियों में भी कई रसीदों का विवरण दर्ज नहीं मिला।

यह स्थिति स्पष्ट रूप से सरकारी धनराशि के गबन और गंभीर लापरवाही को दर्शाती है।

डीएम के आदेश के अनुसार अनुपम श्रीवास्तव को निलंबन अवधि में संयुक्त कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है।

उन्हें प्रतिदिन उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। निलंबन के दौरान वित्तीय नियमों के अनुरूप केवल जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा। हालांकि, इसके लिए उन्हें यह प्रमाण पत्र देना होगा कि वे किसी अन्य व्यापार, सेवा या व्यवसाय में संलिप्त नहीं हैं। महंगाई भत्ता केवल उसी स्थिति में अनुमन्य होगा, जब वेतन नियमों के तहत मान्य हो।इस मामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी कलेक्टर शिखा संखवार को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे विभागीय कार्यवाही का संचालन करेंगी और गबन से जुड़ी पूरी जांच की निगरानी करेंगी।जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि सरकारी धनराशि से खिलवाड़ किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि राजस्व तंत्र में पारदर्शिता बनी रहे।

भजनपुर गांव का रास्ता नाले में डूबा आवागमन दूभर

» प्रशासन से लेकर ब्लॉक तक गुहार, फिर भी अनसुनी शिकायतें

» अफसरों की अनदेखी, ग्रामीण मजबूर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास की गंगा बहाने के दावों के बीच हकीकत में तस्वीर एकदम अलग है। भजनपुर गांव के मुख्य रास्ते पर नाले का गंदा पानी लगातार बह रहा है, जिससे ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश की रक्षा में तैनात गांव के फौजी को भी अपने ही घर पहुंचने के लिए पानी से लबालब रास्ते से गुजरना पड़ता है। वाहन तो दूर, पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामसमाज की भूमि और नाले पर अवैध कब्जा होने से नाला चोक है। वहीं मोहम्मदपुर से परनालों का पानी भी भजनपुर के रास्ते में डाला जा रहा है, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है।

गांव के फौजी सहित सोनेलाल यादव, मानसिंह यादव, हुकुम, राघवेंद्र, प्रकाश, शिवम, धर्मेंद्र, शंकर, उमाशंकर, पूतन यादव समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे बार-बार तहसील भोगनीपुर, ब्लॉक मुख्यालय और जिला प्रशासन तक गुहार लगा चुके हैं। पूर्व जिलाधिकारी आलोक सिंह को भी फरियाद की गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। स्कूल जाने वाले बच्चों, मंदिर और आश्रम तक आने-जाने वालों के लिए यही एकमात्र रास्ता है। गंदा पानी जमने से बीमारी फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है।

पुलिस-बदमाश मुठभेड़- चोरी के ट्रैक्टर-ट्राली संग दो गिरफ्तार

» गोली लगने से एक बदमाश घायल, पुलिस ने दिखाई तत्परता

» तीन ट्राली और ट्रैक्टर बरामद, सीओ ने टीम की सराहना

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान चोरी के ट्रैक्टर-ट्राली के साथ दो बदमाशों को दबोचा गया। इनमें से एक बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हो गया।थाना प्रभारी महेश कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ बदमाश चोरी के वाहन लेकर गुजरने वाले हैं। रात करीब 3 बजे खोज रामपुर स्थित पुल के पास पुलिस टीम ने नाकेबंदी कर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान ट्रैक्टर-ट्राली के साथ दो संदिग्धों को रोका गया। खुद को घिरता देख दोनों बदमाश वाहन छोड़कर भागने लगे।पुलिस ने पीछा कर एक बदमाश को दबोच लिया। वहीं, दूसरे ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी गोलीबारी में बदमाश के पैर में गोली लगी और उसे भी मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।सूचना पाकर क्षेत्राधिकारी प्रिया सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तीन ट्राली और एक ट्रैक्टर बरामद किया है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।सीओ प्रिया सिंह ने थाना प्रभारी महेश कुमार व उनकी पूरी टीम की तत्परता और बहादुरी की सराहना की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई अपराधियों के हौसले पस्त करने में मददगार साबित होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बुढ़वा मंगल पर एसपी श्रद्धा पांडेय का मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

पुलिस बल को अलर्ट मोड में रहने व श्रद्धालुओं को सुविधा देने के निर्देश

» किसी भी प्रकार की अव्यवस्था व संदिग्ध गतिविधि पर होगी सख्त कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बुढ़वा मंगल के अवसर पर जिलेभर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस बीच कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने थाना अकबरपुर और थाना रूरा क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न मंदिरों का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसरों में तैनात पुलिस बल से ड्यूटी का फीडबैक लिया और मौके पर व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने पैदल भ्रमण कर न केवल सुरक्षा इंतज़ामों की जानकारी ली, बल्कि भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था की कमियों पर भी संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।एसपी ने मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि पुलिस हर समय उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि बुढ़वा मंगल जैसे धार्मिक आयोजनों पर भीड़ अधिक होती

है, ऐसे में पुलिसकर्मियों को अलर्ट मोड में रहना चाहिए और ड्यूटी के दौरान लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए ताकि किसी श्रद्धालु को असुविधा न हो। पुलिसकर्मियों को मंदिर परिसरों के बाहर बैरिकेडिंग करने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात करने और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए।एसपी श्रद्धा पांडेय ने लोगों से अपील की कि संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय ही किसी भी संभावित अव्यवस्था को रोक सकता है।स्थानीय लोगों ने भी पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैदी की सराहना की और कहा कि इस बार बुढ़वा मंगल शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में मनाया जा रहा है।

बुढ़वा मंगल पर संकट मोचन धाम में गूंजा सुंदरकांड का पाठ

» पंचामृत स्नान व भव्य श्रृंगार से सजा दरबार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डीघ स्थित संकट मोचन धाम में बुढ़वा मंगल के अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सुबह भगवान को पंचामृत से स्नान कराया गया और उनका भव्य श्रृंगार कर चोला चढ़ाया गया। इसके बाद प्रभु की आरती उतारी गई और विशेष पूजन किया गया।इस अवसर पर बड़ी

संख्या में भक्तगण धाम पहुंचे और बजरंगबली के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर प्रांगण में हवन का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने आहुति दी। पूरा वातावरण जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।आयोजन में प्रमुख रूप से राजेश शुक्ल, गोविंद मिश्रा, अश्वनी, राजू तिवारी, देवेंद्र सिंह, मलखान सिंह, बउअन यादव समेत अन्य भक्त मौजूद रहे।

अयोध्या: नौकरी का झांसा फर्जी नियुक्ति पत्र और ठगी

» राममंदिर ट्रस्ट के नाम पर बड़ा खेल!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट का नाम लेकर नौकरी का झांसा देने वाले युवक ने दो युवकों से ?12,700 की ठगी की। आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र तक भेज दिया और फिर मोबाइल बंद कर फरार हो गया।

पीड़ित अवनीश पांडेय की मुलाकात अंगूरीबाग कॉलोनी के पास एक रेस्टोरेंट में अमन मिश्रा उर्फ वैभव से हुई। आरोपी ने खुद को मंदिर ट्रस्ट का कर्मचारी बताते हुए भरोसा जीता और नौकरी दिलाने का दावा किया। आरोपी ने प्रति व्यक्ति ?8,500 की मांग की। एक युवक ने ?8,500 और दूसरे ने ?4,200 उसके खाते में जमा कर दिए। इसके बाद आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र भेजा और गायब हो गया।

उक्त मामले की नगर कोतवाली और साइबर थाने में शिकायत दर्ज हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी जल्द पकड़ा जाएगा, जबकि पीड़ितों का आरोप है कि उसका बैंक खाता अभी तक फ्रीज नहीं हुआ।

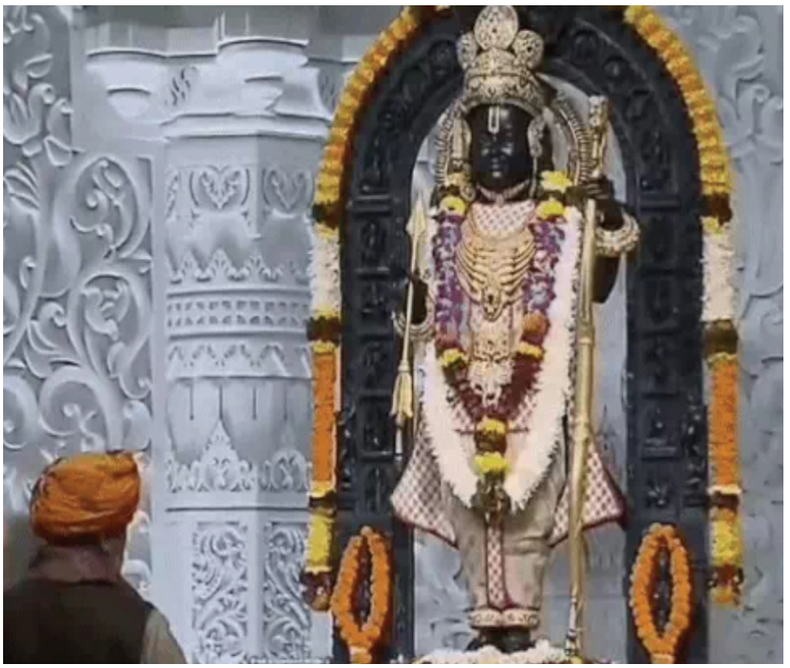

आईजी अयोध्या रेंज के हाथों होगी लाठीचार्ज जांच

» सीएम की सख्ती से बढ़ी उम्मीदें

» दोषी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा–प्रवीण कुमार, आईजी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बाराबंकी के रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों पर हुई कार्रवाई ने प्रदेश के मुखिया को भी नाराज कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए सीओ को तत्काल हटाने का आदेश दिया और डिग्री की वैधता की जांच के लिए मंडलायुक्त अयोध्या को शाम तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए।

सबसे अहम फैसला लाठीचार्ज की जांच को लेकर हुआ है। इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है आईजी अयोध्या रेंज प्रवीण कुमार को, जो अपनी सख्त कार्यशैली और निष्पक्ष जांच के लिए मशहूर हैं। पुलिस महकमे का मानना है कि उनकी देखरेख में जांच न केवल तेज़ होगी बल्कि पारदर्शी भी।स्वराज इंडिया के सूत्रों का कहना है कि आईजी ने पहले ही संकेत दे दिया है कि जांच तथ्यों पर आधारित होगी और दोषी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा।

बुर्का पहनकर ठगी का खेल

इंस्टाग्राम पर युवती बनकर ऐंठे 1.40 लाख!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। खजुरहट निवासी एक युवक ने मुस्लिम युवती का रूप धरकर गुजरात के एक विवाहित युवक से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की। सहानुभूति हासिल कर उसने किस्तों में करीब ?1.40 लाख ऐंठ लिए और बुर्का पहनकर उसके साथ सड़कों पर घूमता भी रहा।

29 अगस्त को युवक के परिजनों ने पुलिस को अपहरण और फिरौती की शिकायत दी। मामला संवेदनशील था, इसलिए एसएसपी गौरव ग्रोवर ने खुद कमान संभाली। जांच टीम गुजरात भेजी गई और पता चला कि कथित अपहरण असल में ठगी का जाल था।

ठग युवक, शहजाद खान के साथ ट्रेन में जयपुर जा रहा था। जीआरपी ने शक के आधार पर पकड़ा तो बुर्का के अंदर की सच्चाई सामने आ गई। मगर युवक ने जान का हवाला देकर राज न खोलने की गुहार की और रुपये लौटाने का भरोसा दिया। चूंकि मामला दो समुदायों से जुड़ा था और दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज नहीं कराई, इसलिए पुलिस ने संवेदनशीलता बरतते हुए जांच को शांतिपूर्वक निपटाया।

योगी सरकार का बड़ा कदम

आउटसोर्सिंग सेवाओं में आएगी पारदर्शिता

» अब कर्मचारियों को मिलेगा पूरा मानदेय, पीएफ-ईएसआई सीधे खातों में जाएगा

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। योगी सरकार ने आउटसोर्सिंग सेवाओं को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दी गई। कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत गठित यह नॉन-प्रॉफिट पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी। अब विभाग खुद एजेंसियों का चयन नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। योगी सरकार के इन फैसलों से न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, बल्कि परिवहन, शिक्षा और निर्यात के क्षेत्र में भी प्रदेश नई ऊँचाइयाँ छुएगा।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि लंबे समय से यह शिकायतें मिल रही थीं कि एजेंसियां कर्मचारियों को पूरा मानदेय और सुविधाएं नहीं दे रही थीं। अब यह व्यवस्था इन अनियमितताओं को खत्म करेगी और लाखों युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करेगी।

अन्य कैबिनेट निर्णय

कानपुर-लखनऊ में ई-बसें

नगरीय परिवहन को सशक्त बनाने के लिए लखनऊ, कानपुर और आसपास के कस्बों में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर 9 मीटर लंबी एसी ई-बसें चलाई जाएंगी।

हर रूट पर 10 बसें अनिवार्य होंगी और कॉन्ट्रैक्ट अवधि 12 साल तय की गई है।

निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30

नई नीति से यूपी को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब बनाने का लक्ष्य है। 2030 तक पंजीकृत निर्यातकों की संख्या 50त बढ़ाने और सभी जनपदों को निर्यात गतिविधियों से जोड़ने पर जोर रहेगा।

शाहजहांपुर में नया विश्वविद्यालय

कैबिनेट ने शाहजहांपुर में स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी। मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट की शैक्षणिक इकाइयों को उच्चीकृत कर यह विश्वविद्यालय बनाया जाएगा।

नई व्यवस्था की खास बातें

आउटसोर्स कर्मचारियों को 16,000 से 20,000 प्रतिमाह मानदेय।

वेतन हर महीने की 1 से 5 तारीख तक सीधे बैंक खाते में।

पीएफ और ईएसआई का अंशदान अब सीधे कर्मचारी के खाते में।

चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का प्रावधान।

कर्मचारी 3 साल तक विभाग में सेवा दे सकेंगे।

किसी भी अनियमितता पर सेवा तुरंत समाप्त की जा सकेगी।

आरक्षण, मातृत्व अवकाश और सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान।

हिमाचल प्रदेश आपदा प्रभावित राज्य घोषित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा में यह घोषणा की। सीएम ने बताया कि राज्य में 21 अगस्त से मॉनसून फिर से सक्रिय हो गया है। इसके बाद से प्रदेश में लगातार बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे चम्बा, कुल्लू, लाहौल स्पीती, मंडी, शिमला, कांगड़ा और हमीरपुर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। शुरुआती अनुमान के अनुसार,राज्य में 320 लोगों की जान चली गई और लगभग 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल समेत सभी पहाड़ी राज्यों का दर्द हमारा साझा दर्द है। यह सिर्फ एक भौगोलिक संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है। क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग का सबसे ज्यादा असर पहाड़ों पर पड़ता है।

रूसी तेल खरीद में एक भी ब्राह्मण नहीं फिर भी अमेरिका में जातिगत टिप्पणी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन की सफलता ने भारत की सामरिक और आर्थिक नीतियों की मज़बूती को एक बार फिर साबित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बनी सकारात्मक केमिस्ट्री ने न केवल भारत की कूटनीतिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा।

इसी आत्मविश्वास से विचलित होकर अमेरिका की ओर से आपत्तिजनक टिप्पणियां सामने आ रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत-रूस तेल व्यापार पर हमला करते हुए जातिगत टिप्पणी की। इसे भारत में राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने की कोशिश की गई, मगर हकीकत यह है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक नीतियों पर विदेशी दबाव काम नहीं कर पाएगा। भारत ने बीते वर्षों में यह साफ कर दिया है कि उसका सामरिक दृष्टिकोण 'भारत प्रथम' की नीति पर आधारित है। रूस से किफायती तेल आयात हो या चीन के साथ संवाद, हर कदम पर भारत अपने नागरिकों के आर्थिक हित और ऊर्जा आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यही नीति उसे वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान कर रही है। विदेशी अधिकारियों द्वारा भारत की सामाजिक संरचना पर टिप्पणी करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। भारतीय समाज की परिपक्वता और विविधता ऐसी कोशिशों को कभी सफल नहीं होने देगी। साफ है कि आज भारत वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। राष्ट्रवाद और आत्मनिर्भरता की नीति के साथ भारत ने यह दिखा दिया है कि उसकी विदेश और आर्थिक नीतियां किसी विदेशी दबाव से नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं से तय होंगी।

रोचक तथ्य भी है कि भारत में पांच शीर्ष उद्योगपति में एक भी ब्राह्मण नहीं

भारत की सामरिक मजबूती से बौखलाया अमेरिका, विदेशी दबाव में नहीं झुकेगा हिंदुस्तान

स्वराज इंडिया

भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा देश चुका रहा है. भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है. इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है. नरेंद्र मोदी समझदार नेता हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है कि वो पुतिन और जिनपिंग से क्यों हाथ मिला रहे हैं?

पीटर नवारो
ट्रंप के ट्रेड सलाहकार

भारत-रूस और चीन संबंधों पर आलोचना

नवारो ने सिर्फ जातिगत टिप्पणी ही नहीं की, बल्कि भारत के रूस और चीन से रिश्तों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध 'मोदी का युद्ध' है, क्योंकि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और इससे व्लादिमीर पुतिन की 'वॉर चेस्ट' यानी युद्ध के लिए फंडिंग को मदद मिल रही है। यह बयान उस समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद पहली बार एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन गए थे। नवारो के लगातार हमलों को मोदी की इस यात्रा से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुनर्विचार याचिका होगी दाखिल

कक्षा एक से आठ तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को दो साल में टीईटी पास करना होगा

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : नौकरी में बने रहने के लिए टीईटी जरूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर को महत्वपूर्ण फैसला दिया है जिससे देश भर के कक्षा एक से आठ को पढ़ाने वाले शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है कि कक्षा एक से आठ तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को दो साल में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) पास करनी होगी नहीं तो उनकी नौकरी चली जाएगी। इस फैसले के खिलाफ शिक्षक सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की सोच रहें हैं। उनका कहना है कि कई मुद्दे हैं जिन्हें आधार बना कर फैसले पर पुनर्विचार करने का सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया जाएगा।

किन पर लागू होगा यह फैसला : फैसला उन शिक्षकों पर भी लागू होगा जिनकी नियुक्ति शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने से पहले हुई थी। हालांकि जिन लोगों की नौकरी पांच वर्ष से कम की रह गई है उन्हें कोर्ट ने बिना टीईटी के नौकरी में बने रहने की छूट दी है लेकिन उनके लिए भी शर्त है कि अगर उन्हें प्रोन्नति लेनी है तो टीईटी पास करना होगा। प्रोन्नति पाने के लिए भी टीईटी पास करना जरूरी है।

इस मामले में उत्तर प्रदेश के कुछ शिक्षकों की ओर से पेश होकर सुप्रीम कोर्ट में बहस करने वाले सुप्रीम कोर्ट के वकील राकेश मिश्रा कहते हैं कि वे फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल करेंगे। उनके मुवक्किलों ने जो अर्जी दाखिल की थी उसमें प्रोन्नति के लिए टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता से छूट मांगी गई थी।

नौकरी में बने रहने के लिए टीईटी जरूरी-सुप्रीम कोर्ट : अर्जीकर्ता शिक्षकों का कहना था कि उनकी नौकरी सिर्फ तीन-चार साल की बची है ऐसे में उन पर प्रोन्नति के लिए टीईटी पास करने की अनिवार्यता न लगाई जाए। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अब जो आदेश दिया है उसमें प्रोन्नति के लिए तो टीईटी पास करना अनिवार्य है ही बल्कि नौकरी में बने रहने के लिए भी टीईटी पास करना जरूरी कर दिया गया है।

इससे लंबे समय से नौकरी कर रहे देश भर के शिक्षकों के लिए नयी मुश्किल खड़ी हो गई है। रिव्यू में यह आधार दिया जाएगा कि अगर कोर्ट को ऐसा आदेश देश भर के लिए करना था तो उसे सभी राज्यों को नोटिस जारी करना चाहिए था और सभी राज्यों में इस वर्ग के शिक्षकों की क्या स्थिति है उसके आंकड़े आदि लेकर उस पर बहस सुननी चाहिए थी जो नहीं सुनी गई। जो पुनर्विचार दाखिल की जाएगी उसमें कोर्ट से टीईटी परीक्षा पास करने के लिए तय किया गया दो वर्ष का समय बढ़ाए जाने की भी मांग की जाएगी।

क्या है नियम?

अभी नियम के मुताबिक हर छह महीने में टीईटी परीक्षा होनी चाहिए ऐसे में दो साल में चार बार परीक्षा होगी अगर कोटज़ इस समय को बढ़ा देता है तो शिक्षकों को ज्यादा बार परीक्षा में बैठने और पास करने का मौका मिलेगा। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक संघ के पूवज़ जिला अध्यक्ष राहुल पांडेय का कहना है कि इस फैसले के खिलाफ सभी शिक्षकों को संगठित होकर अगला कदम उठाना होगा क्योंकि अभी तक शिक्षक मुकदमा लड़ रहे थे कि उन्हें प्रोन्नति के लिए टीईटी न देना पड़े लेकिन अब जो फैसला आया है उससे तो उन्हें नौकरी में बनने रहने के लिए भी टीईटी परीक्षा पास करनी होगी।